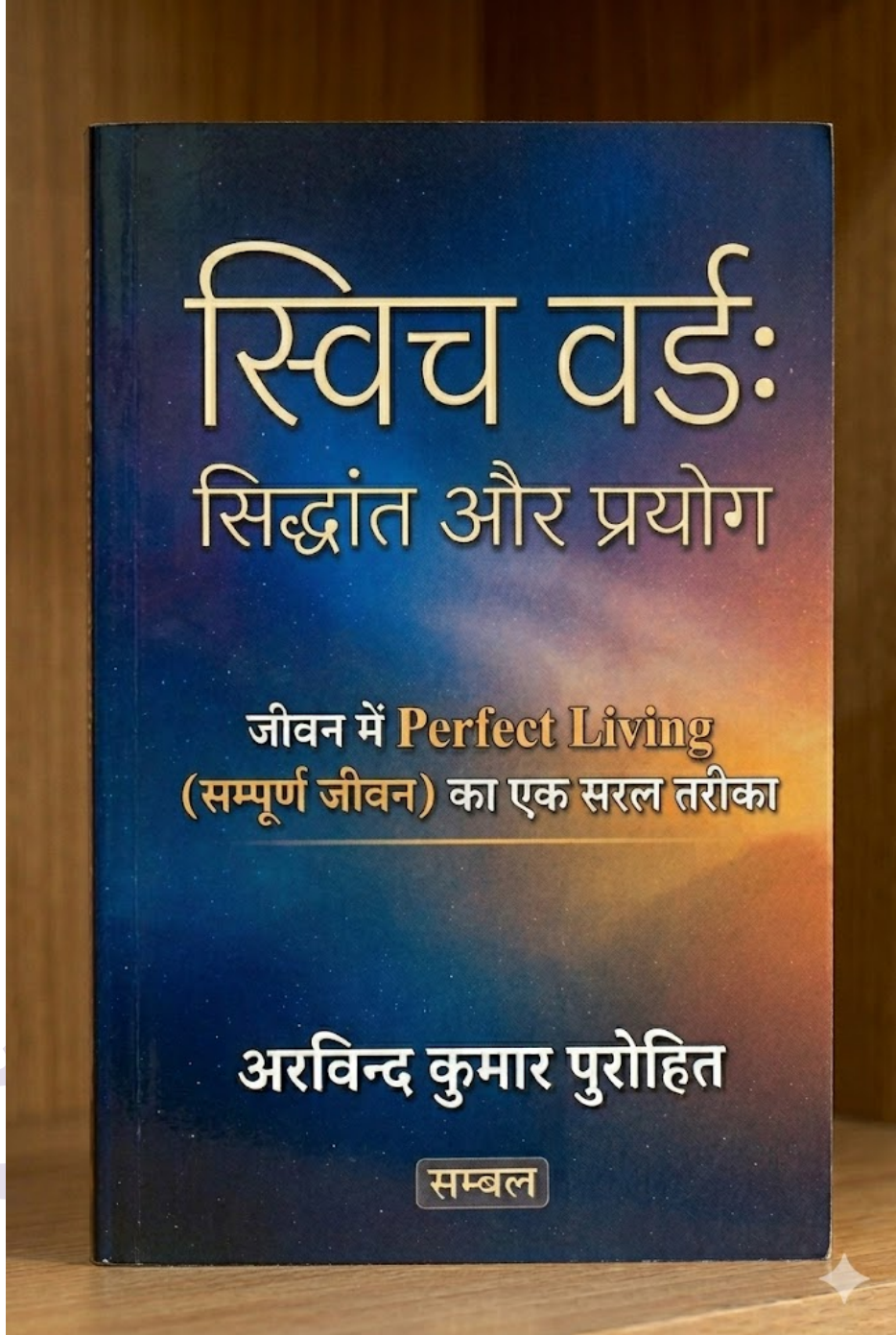


## Sample



# Sample

**स्विच वर्ड : सिद्धांत और प्रयोग**

अरविन्द कुमार पुरोहित

**प्रकाशक: सम्बल**

जोधपुर, भारत, 2026

पन्ना लाल जी हाकिम साहब की हवेली,

बनावतों की गली, जालप मोहल्ला,

जोधपुर - 342001 (राजस्थान)

ISBN: 978-81-995459-6-0

**कॉपीराइट © अरविन्द कुमार पुरोहित**



सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रकाशक/लेखक की पूर्व

अनुमति के बिना किसी भी रूप में पुनरुत्पादित, संग्रहित या प्रसारित नहीं

किया जा सकता है।

**डिज़ाइन, टाइपसेटिंग एवं मुद्रण:**

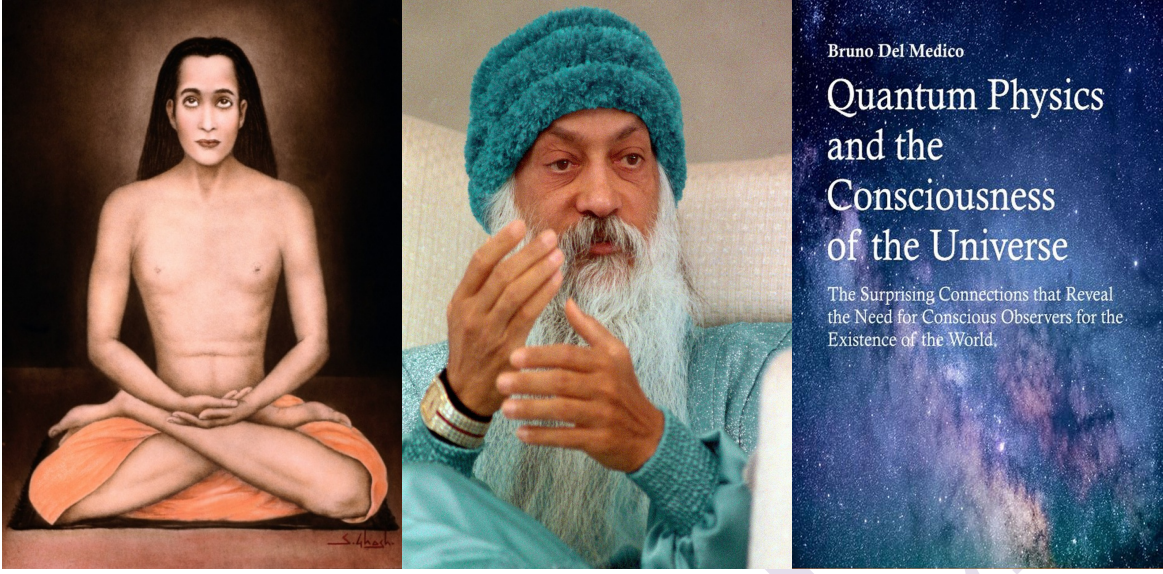
सम्बल & यशी कम्प्यूटर्स

# Sample

## कृपा का आह्वान



## Sample



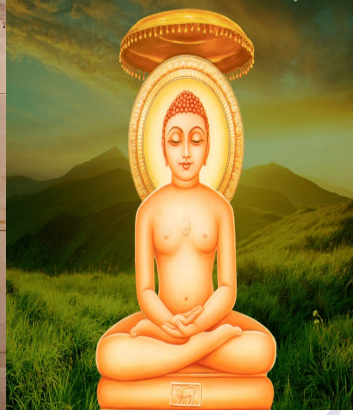
स्विच वर्ड्स की ऊर्जा के सही प्रयोग के लिए एक स्वयं से बड़ी शक्ति के प्रति समर्पण  
आवश्यक है

# Sample

## कृतज्ञता ज्ञापन



बुद्ध



महावीर



प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा



Dr. Edward Bach



Dietmer Kramer



Jiro Murai

## Sample



Mary Bermeister

Louis Hay

Joseph Murphy



Rhonda Byrnes

Joe Dispenza

James T Mangan

समस्त करूणापूर्ण विभूतियों का धन्यवाद

# Sample

## समर्पण

यह पुस्तिका समर्पित है उन सभी को जो एक सम्पूर्ण जीवन (Perfect Living) की संभावना में विश्वास रखते हैं और उन आरंभिक प्रयोग कर्ताओं को जिन्होंने स्विच वर्ड्स को प्रयोग में लिया और उनके आश्चर्य जनक परिणामों की जानकारी दी , नामित: - सुमन जी , प्रियंका ,अरुण, सौमित्र , प्रणव , मीनूजी ,दिव्या , मनीष , अमित , विशाखा , विदुषी, एवं टीना जी

## Sample

### अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	अग्रलेख	
2.	प्रस्तावना एवं आभार	12
3.	सिद्धांत	15
4.	प्रयोग	37
5.	स्रोत	38

## Sample

### अग्रेषण



**डॉ. कृष्ण मुरारी लाल पाठक, पूर्व कुलपति, दुवासु , मथुरा एवं पूर्व उप महानिदेशक (प.वि. ), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्। निवास - B2/2204, क्लीओ काउंटी , नोयडा- 201301.**

मैंने डॉ. अरविंद कुमार पुरोहित द्वारा लिखित “स्विच वर्ड्स: सिद्धांत एवं प्रयोग”की पांडुलिपि पढ़ी, । इस पुस्तिका के उद्देश्य को लेकर मुझे अत्यंत जिज्ञासापूर्ण आश्चर्य हुआ, जिसे डॉ. पुरोहित ने भूमिका में स्पष्ट किया है।

इस पुस्तिका के बारे में लिखने से पहले, मैं यह कहना चाहूंगा कि डॉ. ए.के. पुरोहित, जो पादप शरीर क्रिया विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा एस.के. राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में विस्तार शिक्षा के पूर्व निदेशक रह चुके हैं, से मेरा परिचय पिछले बीस वर्षों से भी अधिक समय से है। इस सुखद साथ के दौरान, मुझे उनकी विविध रुचियों, हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रभावशाली अभिव्यक्ति कौशल, और सबसे बढ़कर ज्ञान को प्राप्त करने और बांटने की प्रबल इच्छा को देखने के कई अवसर मिले हैं।

## Sample

मेरे विचार से, 2009 में सेवानिवृत्ति के बाद वे और भी अधिक सक्रिय हो गए, और निरंतर उन ज्ञान-सम्बंधी सामग्री के निर्माण में लगे हुए हैं जो विशेष रूप से छात्रों, युवाओं तथा सामान्यतः सम्पूर्ण मानवता के लिए उपयोगी हैं।

मैं उनके बेच फ्लावर रेमेडीज़ के माध्यम से उपचार, जिन शिन ज्युत्सु सीखने, और

सदगुरु से दीक्षा के बाद इनर इंजीनियरिंग की आध्यात्मिक साधनाओं के क्षेत्र में किए गए उनके प्रयासों से परिचित हूँ।

मुझे यह अपेक्षा थी कि वे गीता पर कोई पुस्तिका भेजेंगे, लेकिन स्विच वर्ड्स पर यह पांडुलिपि एक सुखद आश्चर्य के रूप में आई। मैं सहमत हूँ कि हम सभी सुखी और स्थायी आनंदमय जीवन की खोज में रहते हैं और अपनी इच्छाओं की पूर्ती संकट पूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं।

एक पशु चिकित्सा विज्ञान में शिक्षित व्यक्ति के रूप में, मैं जानता हूँ कि चेतन और अचेतन मस्तिष्क का विज्ञान अब क्वांटम फिजिक्स के क्षेत्र को छूने लगा है, और प्लेसीबो अब एक रामबाण औषधि के रूप में उभर रहा है। फिर भी, एक तार्किक व्यक्ति यह ज़रूर सोचेगा — क्या 'परफेक्ट लिविंग' का लक्ष्य स्विच वर्ड्स जैसे सरल साधनों से प्राप्त किया जा सकता है? मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ— पढ़ें, आजमाएं और प्रयोग करें, फिर इस प्रणाली की प्रभावशीलता पर कोई निर्णय लें।

शुभकामनाएं।

**के.एम.एल. पाठक**

## Sample

### प्रस्तावना एवं आभार

मुझे लगता है कि हम सभी धीरे-धीरे यह समझने लगते हैं कि हम एक ऐसी जीवन-यात्रा पर हैं, जहाँ हमारा अंतिम लक्ष्य है — स्थायी आनंद से परिपूर्ण जीवन प्राप्त करना, एक ऐसा जीवन जो सुखी हो और दुखों से मुक्त हो (Perfect Living)।

इस दिशा में प्रथम स्मरण गौतम बुद्ध का होता है, जिन्होंने मानव दुखों की प्रकृति को समझने के लिए महान त्याग किए, आत्मज्ञान प्राप्त किया और फिर अपना ज्ञान संपूर्ण मानवता के साथ साझा किया।

हम सभी इतिहास में देखते हैं कि मानव सभ्यता की यात्रा में ऐसे अनेक युगपुरुष हुए हैं, जिन्होंने इसी तरह की खोज में जीवन के तीस-चालीस वर्ष व्यतीत किये और अपने अनुभव व ज्ञान को संसार के साथ बाँटा। मैं विशेष रूप से स्मरण करना चाहूँगा—डॉ. एडवर्ड बेच को, जो बेच फ्लावर रेमेडी सिस्टम के प्रवर्तक थे; जिरो मुराई और मेरी बर्मिस्टर को, जिन्होंने जिन शिन ज्युत्सु (Jin Shin Jyutsu) का मार्ग प्रशस्त किया; सद्गुरु जे. वासुदेव को, जिन्होंने इनर इंजीनियरिंग का सूत्रपात किया और ईशा योग केंद्र की स्थापना की; और जेम्स टी. मंगन को, जिन्होंने परफेक्ट लिविंग तथा स्विच वर्ड्स की खोज की। भारत वर्ष में जितने साधु, संत, महात्मा, ऋषि, मुनि, योगी हुए हैं, सबने मोक्ष, यानि जीवन मृत्यु के चक्र या सुख दुःख के चक्र से मुक्ति की बात की है।

मेरा इस दिशा में कुछ सीखने के प्रथम गंभीर प्रयास की शुरुआत सद्गुरु से 2018 में दीक्षा प्राप्त करने से हुई। इसके बाद मैंने बेच फ्लावर रेमेडी प्रणाली के बारे में जाना, और रजिस्टर्ड बेच फाउंडेशन प्रैक्टिशनर बना—राजस्थान से प्रथम एवं एकमात्र। फिर मैंने स्पर्श द्वारा उपचार की कला—जिन शिन ज्युत्सु के बारे में जानकारी ली। बेच फ्लावर सरल विधि थी, जिन शिन उससे भी

## Sample

आसान आ गयी। रौंदा बैरन्स की **द सीक्रेट** किताब ने लॉ ऑफ़ एट्रेक्शन की जानकारी दी कि व्यक्ति जो चाहे उसे आकर्षित कर सकता है। इन्हीं के साथ अचेतन मन की शक्ति के बारे लुइ हे, जोसेफ मर्फी, जो डिस्पेंज़ा जैसे लेखकों की पुस्तकें पढ़ीं, जो और भी सरल विधियां हैं, जिनमें केवल सोचना, बोलना और लिखना है। भारत में अंकित नीरव और मेघना दीक्षित जैसे मेनिफेस्टेशन विशेषज्ञों ने इस ज्ञान को आगे बढ़ाया और दूसरों को सिखा भी रहे हैं।

अंततः, मुझे स्विच वर्ड्स के बारे में **शून्यम निरव** की एक पुस्तक पढ़ने से पता चला (सौजन्य-रेंचो), जिसमें जेम्स टी. मंगन की मूल पुस्तक और उनके द्वारा विकसित की गई "परफेक्ट लिविंग" प्रणाली का संदर्भ था।

**यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि जब दो प्रामाणिक पुस्तकें पहले से ही उपलब्ध हैं, तब मैंने यह पुस्तिका लिखने की आवश्यकता क्यों महसूस की?**

मैंने न केवल सुखपूर्ण जीवन (Perfect Living) के तरीकों के बारे में जानने की कोशिश की है, बल्कि यह भी प्रयास किया है कि जटिल बातों को सरल बनाया जाए और हिंदी भाषी समुदाय के लिए भी उन्हें सुलभ किया जाए। मेरे सभी कार्य जटिलता से सरलता की ओर उन्मुख हैं, और वे अंग्रेज़ी तथा हिंदी—दोनों भाषाओं में उपलब्ध हैं। इस दिशा में मैंने बेच फ्लावर रेमेडी सिस्टम, जिन शिन कला, अंग्रेज़ी, संस्कृत जैसी भाषाओं और वनस्पति विज्ञान के विषयों और गीता (सौजन्य - के बी व्यास, प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा, क्वेस्ट चैनल) के छोटे पाठ्यक्रम विकसित किये जो हिंदी और अंग्रेज़ी में ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसमें मैंने अर्जुन को सामान्य का प्रतीक माना—जो सुख-दुख के चक्र में फंसा है (Imperfect Living); और कृष्ण को आदर्श का प्रतीक माना—जो निरंतर आनंद, उत्साह और परमानंद की अवस्था में स्थित है (Perfect Living)।

## Sample

गूगल, यूट्यूब और ओपन एआई- चैटGPT — ये आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी के अद्भुत चमत्कार हैं, जो हमें किसी भी प्रकार का ज्ञान उपलब्ध करवा सकते हैं, चाहे वह बेच फ्लावर रेमेडीज़ (BFR) हो, जिन शिन ज्युत्सु (Jin Shin) हो, गीता हो , संस्कृत हो या स्विच वर्ड्स (Switch Words)।

और इंटरनेट पर विशेषज्ञों की बाढ़ सी आई हुई है, जो हमें जीवन में सुखी होने के **आसान तरीके** उपलब्ध करने को तैयार हैं। हम सभी को इन सहज उपलब्ध संसाधनों से सीखने (और साथ ही कमाने!) की पूरी स्वतंत्रता है। **लेकिन हमेशा सही जानकारी मिले, यह ज़रूरी नहीं।**

मैं हमेशा यही प्रयास करता हूँ कि अपने और दूसरों के जीवन को सुखमय बनाने के सरल प्रयासों को मूल स्रोतों (Original source) से जोड़ सकूँ और उन्हें प्रामाणिक बना सकूँ। मैंने जिन लोगों के विचारों पर पुस्तकें लिख कर या ट्यूटोरियल बना कर प्रचारित प्रसारित किया है, उन सभी ने अपने जीवन के तीस से पचास साल उस ज्ञान को प्राप्त करने में खपाये हैं।

जब भी मैं किसी नई जानकारी से अवगत होता हूँ, तो मैं यह सोचता हूँ कि शायद यही सबसे सरल तरीका है। लेकिन जल्द ही, एक और नया, और भी सरल उपाय सामने आ जाता है। फिलहाल , *स्विच वर्ड्स* मुझे “परफेक्ट लिविंग” के सबसे सरल उपाय प्रतीत हो रहे हैं। पर कौन जानता है, कल क्या नया और ज़्यादा सरल सामने आएगा?

आभार: पद्म श्री शीन काफ निज़ाम, डॉ के एम एल पाठक, प्रिय श्री उपदेश पुरोहित

**अरविंद कुमार पुरोहित**

-

# Sample

## स्विच वर्ड्स: सिद्धांत और प्रयोग

### 1. सिद्धांत

1.1 परफेक्ट लिविंग वह अवस्था है, जहाँ व्यक्ति हमेशा – या कम से कम अधिकांश समय – आनंदमय, प्रसन्न और संतुलित स्थिति में बना रहता है।

1.2 हर व्यक्ति के भीतर दो प्रकार के मन (या "आत्मा रूप ") होते हैं:

- **सचेतन मन** – यह छोटा होता है, अपेक्षाकृत कमजोर, लेकिन इसे वाणी की शक्ति प्राप्त है।
- **अवचेतन मन** – यह विशाल और अत्यंत शक्तिशाली होता है, किंतु मौन रहता है।
- **स्विच वर्ड** दोनों , एक दूसरे से विमुख मनो को जोड़ने और अवचेतन स्थित शक्तियों को जागृत करने, या दूसरे शब्दों में - मशीनों को चालू करने का काम करते हैं।

1.3 अक्सर ये दोनों मन अलग-अलग दिशा में कार्य करते हैं, यहाँ तक कि परस्पर टकराव में भी होते हैं। यही असामंजस्य तनाव, अशांति और दुख का कारण बनता है। जब यह दोनों मन एकता में आ जाते हैं, तब व्यक्ति **परफेक्ट लिविंग** का अनुभव करता है — यानी दीर्घकालिक आनंद, शांति और स्थाई सुख ।

1.4 **जेम्स टी. मंगन** ने मानव प्रणाली की तुलना एक कॉर्पोरेट कंपनी से की है:

- सचेतन मन एक ऐसा **क्लर्क** है, जिसे लगता है कि वही कंपनी चला रहा है।

## Sample

- अवचेतन मन असली मालिक या **सीईओ** है — शांत, प्रेक्षणशील, कम हस्तक्षेप करने वाला, लेकिन निर्णय लेने और बदलने का अधिकारी ।

साथ ही अवचेतन मन की तुलना एक छिपे हुए **भूमिगत पावर प्लांट** से की गई है , जिसमें वे सभी मशीनें हैं जो व्यक्ति की इच्छा पूर्ती और संकट निकालने के लिए काम करती है ।

**स्विच वर्ड्स** उन मशीनों को शुरू करने वाले बटन या स्विच की तरह हैं — जो ज़रूरत के समय हमारे ही भीतर छुपी मशीनों (शक्तियों) को सक्रिय कर देते हैं।

### 1.5 सामान्य और प्रभावी स्विच वर्ड्स के उदाहरण:

कुछ व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले और प्रभावी स्विच वर्ड्स:

- **रीच Reach** - खोई हुई वस्तु को खोजने के लिए, कोई भूली हुयी बात को याद करने लिए
- **ऑन On** - वाहन या यातायात के साधन की सहायता प्राप्त करने के लिए
- **डिवाइन Divine** - दैवी सहायता प्राप्त करने के लिए

( ध्यान रखना है कि स्विच वर्ड अंग्रेजी के शब्द हैं। इन्हें अंग्रेजी में ही उच्चरित करना है।

इनका अनुवाद नहीं करना है , न इनके शब्दार्थ पर ध्यान देना है। इनके उच्चारण

(pronunciation ) की सूची आगे टेबल में दी गयी है। )

## Sample

### 1.15 चेतन बनाम अवचेतन - सामंजस्य का विज्ञान

**चेतन मन** सफलता का श्रेय लेता है, जबकि **अवचेतन** केवल तब सामने आता है जब कुछ गलत होता है। चेतन = वाणी है, पर भावना नहीं। अवचेतन = भावना है, पर वाणी नहीं। इसी कारण इन दोनों में *टकराव* होता है। जब तक **दोनों मिलकर निर्णय** नहीं लेते, अवचेतन उसे उलटने का प्रयास करता रहेगा।

### 1.16 पूर्ण जीवन (Perfect Living) की ओर एक यथार्थवादी यात्रा

केवल यह जानना पर्याप्त नहीं कि Perfect Living संभव है, बल्कि यह **समझना और अभ्यास करना ज़रूरी है कि कैसे पहुँचा जाए**। सफलता तभी मिलेगी जब **अवचेतन और चेतन**, दोनों को *सम्मान और समान सहभागिता* दी जाए। केवल अवचेतन से भी *स्थायी सुख और शांति* नहीं मिल सकती।

उसके लिए **दोनों पक्षों की एकता अनिवार्य** है।

## Sample

**Off** – संतुलन और विश्राम हेतु। **Ho** – एक सहज विश्राम का क्षण पाने के लिए।

### 2.13 अन्य उपयोगी उपाय

स्विच वर्ड्स के अतिरिक्त, आप **बीते सुखद क्षणों की स्मृति** से भी मनोदशा बदल सकते हैं। **"I" की जगह "We"** का प्रयोग करें — यह *एकता की भावना* को बढ़ाता है।

### 2.14 कुछ गहरे बोध बिंदु

जीवन का लक्ष्य आवश्यक है — कठिन हो तो और भी अच्छा।

“Together” छोटे कार्यों में प्रभावी न लगे, परंतु **बड़े लक्ष्यों** में यह अद्वितीय है — क्योंकि अवचेतन **बड़े उद्देश्यों** को अधिक पसंद करता है।

छोटी-छोटी *खुशियों की झलकियाँ* भी हमें यकीन दिला सकती हैं कि परफेक्ट जीवन संभव है।

कुछ संयोजन अधिक शक्तिशाली ऊर्जा उत्पन्न करते हैं, जैसे:

- **“Together-Ho-Peace”** — मास्टर स्विच वर्ड के साथ निःश्वास शांति
- **“Change-Off-Off ”** — दर्द से राहत और बेहतर नींद के लिए
- **“Reach-Tiny-Adjust”** — विनम्रता के लिए
- जब हम पुराने झगड़ों, मनोवैज्ञानिक चोटों, या नकारात्मक आदतों के चक्र में फंसे हों, तो **“Reverse”** स्विच वर्ड का उपयोग करें।

## Sample

- 
- **“Clear”** – मानसिक स्पष्टता के लिए।
- **“Wait”** – धैर्य बढ़ाने के लिए।
- **“Go”** – आलस्य को दूर करने के लिए।
- **“Move”** – निष्क्रियता या मानसिक थकान दूर करने के लिए।

### 2.17 कार्यों के अनुसार स्विच वर्ड्स की सूची

क्र.सं.	आवश्यक कार्य	स्विच वर्ड
1	नए विचार को शुरू करना	On ऑन
2	धूम्रपान कम करना	Count काउंट
3	लेखन के मूड में आना	Giggle गिगल
4	युवा होना और दिखना	Learn लर्न

### स्विच वर्ड्स: सही दृष्टिकोण और रोज़ाना अभ्यास

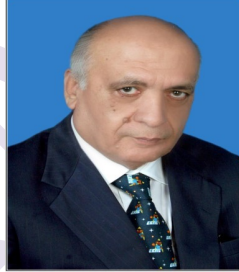
- स्विच वर्ड्स हमारा मनोबल तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि आंतरिक ऊर्जा को सामंजस्यित करने के लिए होते हैं। इन्हें शॉर्टकट नहीं, बल्कि पुल समझें।

## Sample

- इस प्रणाली का मूल है **सचेत बुद्धिमान मन (Conscious) और शक्तिशाली अवचेतन मन (Subconscious)** का मेल। जब ये दोनों मिलकर काम करते हैं, तब जीवन सहज रूप से चलता है (Perfect Living)।
- हर दिन की शुरुआत करें **एक मिनट मौन रहकर**, फिर तीन बार कहें:  
**“Together... Together... Ho.”**

2.19 कैसे उपयोग करें:

### लेखक परिचय



डॉ अरविन्द कुमार पुरोहित, सेवा निवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व निदेशक, प्रसार शिक्षा , स्वामी

केशवानंद राजस्थान कृषि विश्व विद्यालय , बीकानेर

बी एफ आर पी (बैच फ्लावर रजिस्टर्ड प्रेक्टिशनर )

(वर्तमान निवास, जोधपुर -342005

मोबाइल +91 8290639891(Whats App), +91 9414217745

## Sample

ई मेल : [purohitak2016@gmail.com](mailto:purohitak2016@gmail.com)

Website: [www.sambalglobal.com](http://www.sambalglobal.com)

---

डॉ अरविन्द कुमार पुरोहित, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्व विद्यालय , बीकानेर से सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा हैं। डॉ पुरोहित बॉटनी में एम् एस सी तथा प्लांट फिजिओलॉजी में विशेषज्ञता के साथ पी एच डी उपाधि प्राप्त हैं. आपको 35 वर्षों से अधिक का विश्वविद्यालय स्तर का शैक्षिक और दस वर्ष से अधिक का प्रशासनिक अनुभव प्राप्त है। डॉ ए के पुरोहित ने सेवा निवृत्ति के पश्चात अनेक अकादमिक कार्यों में व्यस्त रहते हुए इंग्लैंड के बैच फाउंडेशन सेक्टर से बैच फ्लावर रेमेडीज के तीनों लेवल पूर्ण करने के पश्चात् राजस्थान के प्रथम पंजीकृत बैच फ्लावर रेमेडीज परामर्शदाता बने और इस क्षेत्र में ऑनलाइन सेवाएं दे रहे हैं। इनका एक यूट्यूब पर वीडियो बहुत पॉपुलर है -

(<https://www.youtube.com/watch?v=SzakT3XMOP4>)

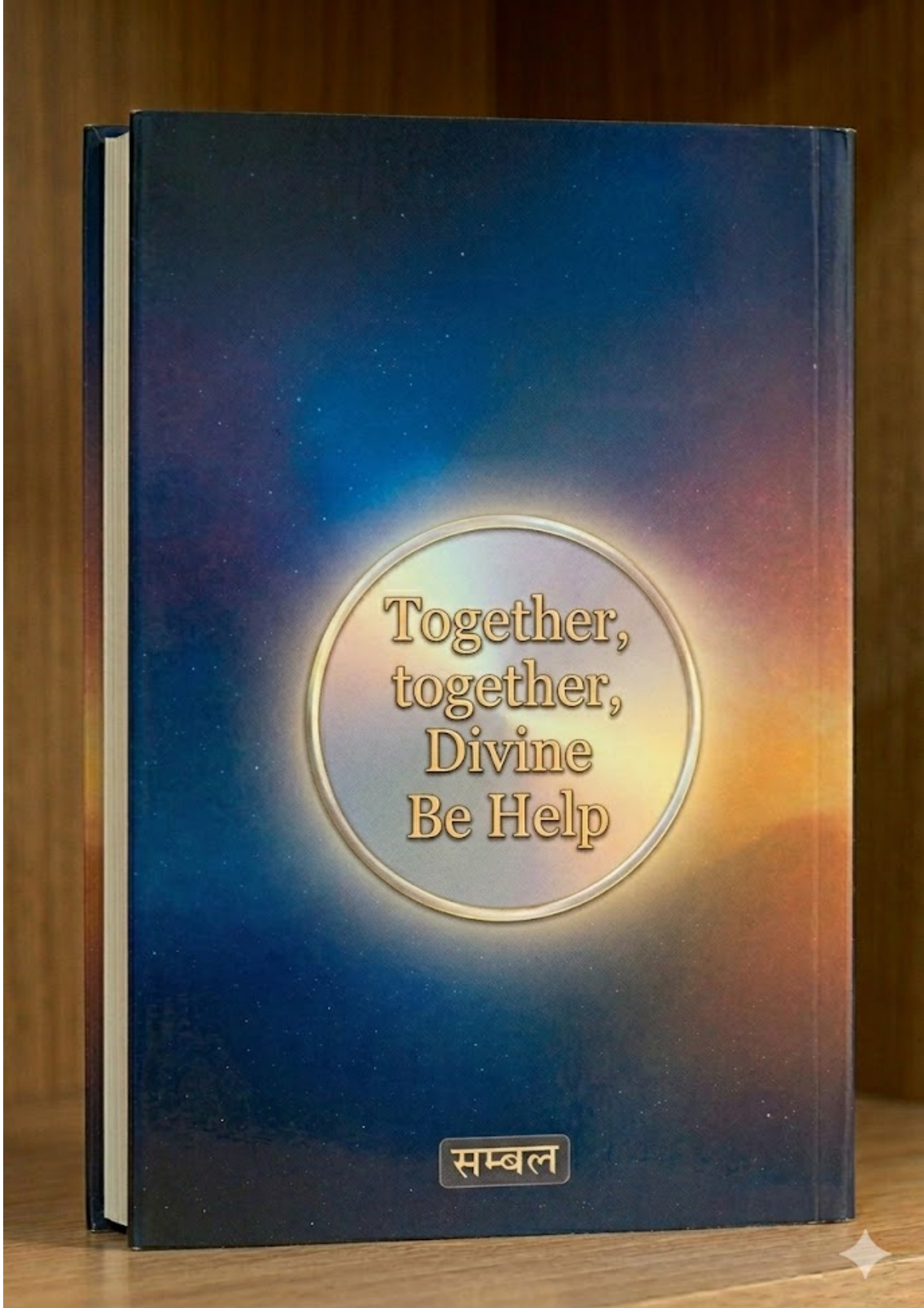
डॉ.पुरोहित की आरम्भ से ही , जीवन को सुखमय बनाने के सरल तरीकों में रूचि रही है जिसके अंतर्गत आपने सदगुरु से दीक्षा प्राप्त की, बैच फ्लावर रेमेडी सिस्टम सीखा, अंग्रेजी और संस्कृत विषय के मूल तत्वों की पढ़ाई की , मानव उपचार की सरल विधियों जैसे क्रिस्टल, एंजेल, ड्रैगन , स्वर-विज्ञान, पेंडुलम डाउजिंग थेरेपी जैसे क्षेत्रों में ऑनलाइन कोर्सेज किये, और होमियोपैथी, बायोकेमि , सुजोक, जिन शिन ज्यूत्सु , EFT (टेप्पिंग ), और एक्वूप्रेसर जैसी स्व-उपचार पध्दतियों की सामान्य जानकारी हासिल की। लोगों के साथ, विशेषकर युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव को सांझा करने के लिए आपने सौमित्र- दीप्ति- अकादमी ऑफ़ फंडामेंटल्स (SDAF) आरम्भ की जिसके अंतर्गत अंग्रेजी, संस्कृत, बॉटनी और प्लांट फिजिओलॉजी, श्रीमद् भागवत गीता और बैच फ्लावर रेमेडी, जिन शिन कला के मूल तत्वों पर लघु कोर्स हिंदी, अंग्रेजी और मिक्स भाषा माध्यमों द्वारा ऑनलाइन पढ़ाये जाते हैं। इन लघु पाठ्यक्रमों की हिन्दी और अंग्रेजी , दोनों भाषाओं में, पुस्तिकाएं भी उपलब्ध हैं।

## Sample

जीवन की जटिल समस्याओं के सरल समाधान के बारे में अपनी समझ बढ़ाने के लिए डॉ पुरोहित ने **लॉ ऑफ़ एट्रैक्शन** और **मेनिफेस्टेशन** सम्बन्धी साहित्य का अध्ययन किया और ऑनलाइन कोर्स भी किया , जिन पर लघु पाठ्यक्रम आरम्भ करने की योजना है। इस क्रम में उन्हें स्विच वर्ड के बारे में जानने का अवसर मिला और इस पद्धति की सरलता से प्रभावित हो कर इस विधा में उपलब्ध साहित्य का अध्ययन कर इसे और भी अधिक सरल और संक्षिप्त रूप से लोगों तक पहुंचाने के इरादे से **स्विच वर्ड - सिद्धांत और प्रयोग** नामक यह पुस्तिका तैयार की है। शीघ्र ही इस पर भी एक लघु पाठ्यक्रम आरम्भ करने की योजना है।

SAMPLE

## Sample



## Sample

❓ पूरी पुस्तक प्राप्त करें

आपने इस पुस्तक का एक छोटा अंश पढ़ा है। पूरी पुस्तक में और भी गहराई, स्पष्टता एवं उपयोगी सामग्री उपलब्ध है।

❑ मूल्य: ₹149

❑ अभी पूरी पुस्तक प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें या यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करें।

धन्यवाद ❑



**Sambal**

UPI: 8290639891@sbi